अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल-मई 2022

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : तबला / पखावज

दि. 19/06/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । 2) शेष 4 प्रश्नों के उत्तर लिखे ।
3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे । 4) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र. 1 किन्ही तीन लिपिबध्द करें। (15)

अ) एकताल या चौताल मे फरमाईशी चक्रधार परण।

ब) त्रितालमे (मात्रा 16) 3, 6 मात्रासे तिहाई।

क) रुद्र ताल मे ठेका, तिगुन और सम से सम तक तिहाई ।

ड) सवारी ताल (15 मात्रा) एक रेला, दो पलटे, तिहाई ।

इ) झपताल या सुलताल एक से ज्यादा आवर्तन मे परण ।

प्र. 2 अ) सही या गलत लिखकर वाक्य सही करकें लिखे । (10)

1) ''धागेन धात्रक धिकिट'' यह बोल दिल्ली घरानेका प्रतिक है।
2. दिपचंदी और आडाचौताल के खंड समान है।
3. तिलवाडा, टप्पा दोनो तालोकी मात्रा ताली, खाली एकही है।
4) पं. लाला भवानीदास ''मंगळवेढेकर'' घरानेके प्रमुख वादक थे।
5) केहरवा ताल का ''धागे'' पलुस्कर लिपी में (धा गे) ऐसा लिखा जाता है।
6) गत परण- बंद बोलोका होता है।
7. काली 1 का तबला काली 3 स्वर मे मिलाया जा सकता है।
8) हर एक चक्रधार तिहाई का स्वरूप होता है।
9) गायन वादन प्रस्तुती के लिये सिर्फ स्वरही जरूरी होता है।
10. चक्रधार के लिये आरंभमे मुखडा और तिहाई होना जरूरी है।

ब) सही पर्याय चुने । **(5)**

1) सवारी का तिसरा खंड ..... मात्रा का है।

अ) 3 ब) 5 क) 4

2) झपताल ये ताल ..... जाती का है ।

अ) खंड ब) चतुरस्र क) संकीर्ण

3) नौहक्का बोल प्रकार मे ..... "धा" होता है।

अ) 27 ब) 9 क) 3

4) ताल का वजन समझने के लिये .....जरूरी होता है।

अ) लय ब) सम क) खंड ताली और काल

5) पं. आर्निदो चटर्जी ..... घराने के वादक है।

अ) बनारस ब) फारुखाबाद क) पंजाब

प्र. 3 सोदाहरण व्याख्या लिखे और किन्ही तीन लिपीबध्द करे। (15)

1) गत या गत परण

2) रौ

3) त्रिपल्ली गत

4) उठान

प्र. 4 पेशकार और कायदा की सोदाहरण तुलना किजीये। (15)

प्र. 5 निम्नलिखित अवनध्द वाद्योकी जानकारी दिजीये। (15)

(किन्ही तीन)

1) पखावज

2) मृदंगम

3) खोल

4) संबळ

प्र. 6 तबला / पखावज स्वतंत्र वादन किस प्रकार होना चाहिये (15)
इस पर विस्तृत लिखे ।

प्र. 7 निम्नलिखित गायन प्रकारकी जानकारी देकर उसकी (15)
साथसंगत के बारे में विचार स्पष्ट करे और उसके ठेके
लिपीबध्द करे । (किन्ही तीन)

1) ख्याल
2) ठुमरी
3) गझल
4) ध्रुपद